

# केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आज वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया

Posted On: 08 MAY 2017 1:46PM by PIB Delhi

केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आज वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। आज सुबह उद्घाटन सत्र के दौरान सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर दिए गए उनके भाषण का पाठ इस प्रकार है:

विभिन्न राज्यों से आए मुख्य मंत्री गण, गृह सचिव एवं भारत सरकार के अन्य सचिवगण, विभिन्न राज्यों के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, केन्द्रीय सशस्त्र बलों के महानिदेशक, जिला कलेक्टरगण तथा जिला पुलिस अधीक्षकगण।

- देश के दस वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में वामपंथी उग्रवाद के विभिन्न पहलुओं को एक साथ बैठकर समझने, वामपंथी उग्रवाद का पूरी सक्षमता से मुकाबला करने और इसे नेस्तनाबूद करने हेतु तथा सर्वाधिक प्रभावित 35 जिलों में Integrated Strategy से सुरक्षा और विकास को गति देने के उद्देश्य से यह बैठक आहूत की गई है।

- छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के बुरकापाल में 24 अप्रैल 2017 की घटना में CRPF के 25 जवानों की शहादत से पूरा देश उद्बलित हुआ है। ऐसे वातावरण में अपनी एकाग्रता बनाए रखकर लक्ष्य की ओर Planned Way में तेजी से आगे बढ़ने की चुनौती हमारे सामने है।

- वामपंथी उग्रवादियों द्वारा CRPF के कैम्प के पास हमला करने से मैं चिंतित तो हूँ लेकिन विचलित नहीं। इसलिए आज की बैठक महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमें समग्ररूप से चिंतन करना है कि अब हमारी सोच, हमारी रणनीति, हमारी तैयारी, हमारे संसाधनों का उपयोग किस प्रकार हो। मुझे आप पर और हमारे जवानों पर पूरा भरोसा है कि हम सब मिलकर नई रणनीति से, पूरी क्षमता से वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला करेंगे और सफलता हासिल करेंगे।

- भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है मगर वामपंथी उग्रवाद लोकतंत्र की जड़ों को खोखला करना चाहता है। लोकतंत्र विरोधी होने के साथ-साथ वामपंथी उग्रवाद का विकास विरोधी चेहरा हम सबके सामने है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जिस नये भारत के निर्माण की बात कर रहे हैं उसका आधार ही देश में विकास और लोकतंत्र की मजबूती है। भारत का भविष्य हिंसा और हत्या को बढ़ावा देने वाले वामपंथी उग्रवादियों के प्रभाव से मुक्त हो इसके लिए हम सबको इस दिशा में सोचने और कार्य करने की जरूरत है। मेरा यह विश्वास है की बन्दूक के बल पर विकास और लोकतंत्र को झुकाने और दबाने की कोशिश कभी कामयाब नहीं होगी।

- आज इस सभाकक्ष में 10 राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रशासन और पुलिस के मुखिया उपस्थित हैं। आप नीति-निर्धारक भी हैं और उसका क्रियान्वयन कराने वाले भी। वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला सुरक्षा और विकास के मोर्चे पर एक समन्वित लड़ाई है, जिसे निर्णायक रूप से लड़ना और जीतना है। इसके लिए आप से उपयुक्त और सक्षम और कौन हो सकता है? हमारे जवानों की मौजूदगी वामपंथी उग्रवादियों के बीच दहशत का तथा स्थानीय जनता एवं आदिवासियों के बीच आश्वस्त का भाव पैदा करने वाला होना चाहिए। मैं यह कहना चाहूंगा: - "Let your action speak for itself".

## पृष्ठभूमि-

- विगत 20 वर्षों में देश के 12 हजार लोगों की जानें माओवादी उग्रवादियों की हिंसक गतिविधियों में गई है।

- इन 12 हजार लोगों में 27 सौ सुरक्षा बलों के जवान हैं तो शेष 9 हजार 300 निर्दोष, निरीह और मासूम जनता है।

- विकास विरोधी वामपंथी उग्रवादियों का निशाना सुरक्षा बलों के जवानों के अलावा सार्वजनिक संपत्ति जैसे सड़क, पुल-पुलिया, रेल मार्ग, बिजली तथा टेलीफोन के टॉवर, अस्पताल, स्कूल, आंगनवाड़ी तथा पंचायत के भवन आदि स्थान बने हैं, जो आम जनता की सुविधा के लिए शासन द्वारा बनाए जाते हैं।

- वामपंथी उग्रवादियों के विध्वंस से यह जाहिर है कि वे दूरस्थ तथा दुर्गम अंचलों में विकास के साधन तथा सुविधाएं नहीं पहुंचाने देना चाहते, क्योंकि ये सुविधाएं स्थानीय जनता को आर्थिक और सामाजिक प्रगति का रास्ता प्रशस्त करती है और स्थानीय जनता को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ती है। जबकि वामपंथी उग्रवाद जैसे नासूर, poverty or backwardness में पनपते हैं। उनकी तो यह रणनीति है कि इस क्षेत्र की जनता बिना बिजली, बिना सड़क, बिना शिक्षा के हमेशा गरीबी और ignorance में रहे ताकि इन ठेकेदारों की दुकान चलती रहे।

## समाधान [SAMADHAN]-

- देश में वामपंथी उग्रवाद की समस्या का निदान किसी Silver Bullet से संभव नहीं है। इसका कोई Short-cut भी नहीं है। इसलिए अलग-अलग स्तरों पर Short-Term, Medium-Term और Long-Term नीतियां बनाने की जरूरत है। इस समस्या का समाधान तो निकालना ही होगा और इसी "SAMADHAN" शब्द में ही strategy समाहित है। यानि -

1. S- Smart Leadership
2. A- Aggressive Strategy
3. M- Motivation and Training
4. A- Actionable Intelligence
5. D- Dashboard Based KPIs (Key Performance Indicators) and KRAs (Key Result Areas)
6. H- Harnessing Technology
7. A- Action plan for each Theatre
8. N- No access to Financing

## 1. S - Smart Leadership-

- आप भी जानते हैं कि नेतृत्व या लीडरशिप ही किसी नतीजे को तय करती है। लीडर वह होता है जो असंभव को संभव, असफलता को सफलता और हार को जीत में तब्दील कर देता है।

- 'स्मार्ट लीडरशिप' के प्रमुख गुण हैं-

Vision, Mission, Passion and Self belief

- आत्मबल से भरपूर लीडरशिप के पास ठोस विजन होना चाहिए कि कैसे वह भविष्य की चुनौतियों को देखेगा और उसके लिए अपनी टीम को तैयार करेगा तथा अपनी टीम को अपना लक्ष्य Mission Mode पर हासिल करने के लिए ऊर्जावान बनायेगा। अपनी टीम को सुरक्षित, disciplined और victorious बनाना ही, उसके लिए सर्वोपरि होना चाहिए।

- भारत में भी कई यशस्वी पुलिस अधिकारियों के किस्से आम जन के मानस पटल पर अंकित हैं कि वे किस तरह अपनी टीम को ऊर्जा से लबरेज रखते थे। वामपंथी उग्रवाद के मोर्चे पर हमें ऐसी लीडरशिप चाहिए, जो विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जवानों को उत्साह से भरपूर रखे और उन्हें सिर्फ जीतना सिखाए।

- केन्द्रीय बल हों या जिला पुलिस सभी को समन्वित रणनीति और योजना के तहत काम करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऑफिसर्स को सामने से लीड करना होगा। इस मोर्चे पर कामयाबी केवल दिल्ली, रांची या रायपुर में बैठकर ही हासिल नहीं की जा सकती।

- वामपंथी मोर्चे पर Unified Co-Ordination तथा Command की जरूरत है। Strategic Command के साथ Operational और Tactical Level पर भी Unified Command नितांत आवश्यक है। उतना ही महत्वपूर्ण Intelligence sharing भी है।

## 2. A-Aggressive Strategy-

- आप अवगत है कि पिछले तीन वर्षों में Left Wing Extremism के विरुद्ध सरकार की Multi Pronged Strategy के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2014 से 2016 तक के हिंसा के आंकड़े इसको दर्शाते हैं। वर्ष-2016 में वर्ष-2015 की अपेक्षा 150 प्रतिशत अधिक Left Wing Extremists मारे गए और गिरफ्तारियों तथा आत्मसमर्पण में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- वर्ष-2016 में Left Wing Extremists को भारी हानि उठानी पड़ी है। इसका जिक्र उन्होंने अपने बयानों एवं दस्तावेजों में भी खुलकर किया है। यह भी सच है कि Left Wing Extremists अपने Cadres के गिरते हुए मनोबल को बढ़ाने के लिए सुरक्षा बलों पर हमले की कार्रवाई करने के लिए सतत प्रयासरत हैं और निःसंदेह सुकमा के बुरकापाल की घटना इसका एक उदाहरण है।

- वर्ष-2017 में भी अभी तक के आंकड़े दर्शाते हैं कि LWE संबंधित घटनाओं में 23.3 प्रतिशत (377 से 289) की कमी आई है। लेकिन 2-3 घटनाएँ ऐसी हुई हैं, जिनमें सुरक्षा बलों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। अतः इन घटनाओं का विश्लेषण आवश्यक है। ऐसी घटनाएँ होती ही क्यों हैं, इसे देखने के लिए, LWE से related व्यवस्था के विषयों पर मीटिंग के पहले सत्र में चर्चा होगी।

- आज हमें इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि क्या हमें घटनाओं के बाद ही react करना चाहिए? क्या हमारा Role Proactive नहीं होना चाहिए?

- पुरानी घटनाओं से सीख लेते हुए हमें अपनी नीति में Agression लाने की आवश्यकता है। सोच में Agression, रणनीति में Agression, बलों की तैनाती में Agression, ऑपरेशन्स में Agression, विकास में Agression, सड़क निर्माण में Agression।

- अत्यंत सुरक्षात्मक तैनाती से operational आक्रामकता कम हो जाती है, इसका हमें ध्यान रखना होगा।

- हमें सोचना होगा कि वामपंथी उग्रवादियों के कैडर के surrenders के आंकड़े जरूर बढ़ रहे हैं लेकिन क्या इन surrendered वामपंथी उग्रवादियों से Intelligence का लाभ मिल पाया है?

- हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि LWE के विरुद्ध राज्य operations की ownership लें, CAPFs उनका पूरा सहयोग करें। साथ ही Ground level पर बलों को Leadership का अभाव नहीं रहे। Operations की कामयाबी के लिए "Unity of Purpose" एवं "Unity of Action" नितांत आवश्यक है।

## 3. M - Motivation and Training -

- सरकार के पास वामपंथी उग्रवादियों से बेहतर संसाधन है, प्रशिक्षण है, प्रौद्योगिकी है। लेकिन वामपंथी उग्रवादियों की रणनीति को बेधने के लिए और बेहतर समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

- इस मोर्चे पर कामयाबी सिर्फ भावनाओं से ही नहीं मिल सकती। सफलता के लिए आवश्यक है सही नजरिया, सही रणनीति, संसाधनों का कुशल उपयोग, दुश्मन की शक्ति और कमजोरियों का ज्ञान, अपने सुरक्षाबलों का प्रशिक्षण, उनकी सुविधाओं और साधनों की व्यवस्था। अतः हमें सही ढंग से बिंदुवार इन सभी विषयों पर विचार करना होगा। इसी दृष्टि से आज की बैठक महत्वपूर्ण है।

- सुरक्षा बल जिन शिविरों में रहते हैं, उन्हें सुविधाजनक बनाना होगा, जहां बिजली, पानी, कनेक्टिविटी के साथ ही ऐसी सभी सुविधाएं हों, जहां वे तनाव रहित रह सकें और आवश्यकतानुसार घर-परिवार से सम्पर्क साध सकें।

- पदस्थापना के स्थानों की जानकारी के साथ-साथ वहां की भाषा, बोली व परंपराओं और संस्कृति की जानकारी भी सुरक्षा बलों को होनी चाहिए ताकि वे स्थानीय परिस्थितियों में ढल सकें और स्थानीय लोगों का विश्वास अर्जित कर सकें।

- सुरक्षा बलों में SOP के पालन की आदत डलवानी चाहिए ताकि सुरक्षा को लेकर वे स्वयं जागरूक रहे।

## 4. A-Actionable Intelligence

- Actionable Intelligence के लिए विभिन्न Intelligence एजेंसियों एवं सुरक्षा बलों को स्थानीय जनता के साथ अच्छा नेटवर्क विकसित करना चाहिए।

- Surrendered वामपंथी उग्रवादियों का उपयोग सूचना एकत्र करने में अधिकाधिक होना चाहिए।

- तेलंगाना तथा आंध्रप्रदेश की तुलना में छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में Technical Intelligence Inputs बहुत कम हैं और इसका बड़ा कारण बस्तर में सिर्फ 20 प्रतिशत प्रभावी कनेक्टिविटी का होना है। सुकमा जैसे जिले में यह केवल 4 प्रतिशत है। सम्पूर्ण LWE प्रभावित क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए Universal Service Obligation Fund (USOF) के माध्यम से विशेष कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है।
- Intelligence की दृष्टि से मैं मानता हूँ कि वामपंथी उग्रवाद से जुड़े Prominent Targets को Trace करने के लिए Shadow Intelligence Officers को depute करने की आवश्यकता है।
- Intelligence के आदान-प्रदान तथा उपयोग के लिए स्थानीय पुलिस तथा केन्द्रीय बलों के बीच निश्चित कार्यप्रणाली निर्धारित करने की आवश्यकता है।

## 5. D-Dashboard based KPIs (Key Performance Indicators) एवं KRAs (Key Result Areas)

- पुलिस तथा CAPFs में Key Performance Indicators (KPIs) तथा Key Result Areas (KRAs) का निर्धारण किया जाना चाहिए। इससे न सिर्फ किसी यूनिट की तैयारियों, उनके कार्य निष्पादन, नियमित प्रगति की समीक्षा की जा सकेगी, बल्कि प्रत्येक जवान की व्यक्तिगत क्षमताओं का आकलन भी किया जा सकेगा।

## 6. H - Harnessing Technology -

- हम सब अवगत हैं कि Technology एक Force Multiplier है।
- Space, IT एवं Communication सहित कई Technologies ने दुनिया में बहुत क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। कानून व्यवस्था तथा अपराध से निपटने में भी अनेक नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। LWE मोर्चे पर latest Technologies का और अधिक इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।

अब मैं कुछ Cutting edge Technology के उपयोग के सम्बन्ध में कहना चाहूँगा :-

- वर्तमान में UAV का इस्तेमाल बहुत कम हो रहा है, जिसे बढ़ाने और सही स्थान पर उपयोग करने की जरूरत है।
- Mini UAV की उपयोगिता अधिक है। अतः Mini UAV अधिक मात्रा में उपलब्ध होनी चाहिए। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हर बटालियन के साथ आवश्यकतानुसार UAV/Mini UAV होनी चाहिए।
- हमें High resolution PTZ Cameras, GPS Tracking, Handheld Thermal Imaging, Radar, Satellite Image इत्यादि का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए।
- हम यह भी जानते हैं कि Left Wing Extremists ज्यादातर लूटे हुए हथियारों का उपयोग करते हैं, जिनको रोकने के लिए हमें
  - Weapons में trackers,
  - Smart guns trigger में biometrics,
  - Shoes, BP jackets आदि में भी trackers, embed करना चाहिए,
  - इसके साथ ही Gelatine और अन्य explosive material में unique identification numbers का भी प्रयोग करना चाहिए।
- राज्यों के पास इस प्रकार की अत्याधुनिक Technology के Procurement करने की विशेषज्ञता संभवतया नहीं है। यदि राज्य सरकार चाहें तो केन्द्र सरकार इसमें आपकी मदद कर सकती है।

## 7. A- Action plan for each theatre-

- आप इससे भी अवगत हैं कि विभिन्न राज्यों में वामपंथी उग्रवाद की परिस्थिति अलग-अलग है।
- विभिन्न राज्यों में वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए एक साथ अनेक मोर्चों पर लड़ने की जरूरत है और हर मोर्चे के लिए विशिष्ट एक्शन प्लान बनाना होगा, ताकि systematic तरीके से हर मोर्चे पर सफलता प्राप्त कर सकें।
- इसके लिए अलग-अलग Short-Term, Medium-Term, Long-Term रणनीतियाँ बनाने की जरूरत है, जिसके लक्ष्य तथा समय-सीमा स्पष्ट निर्धारित हों और Implementation Mission Mode में हो तथा सतत् अनुश्रवण के लिए Key Performance Indicators (KPIs) तथा Key Result Areas (KRAs) भी इन रणनीतियों के साथ Aligned होने चाहिए।

## 8. N- No access to financing-

- यह सर्वविदित है कि किसी भी लड़ाई या काम के लिए आर्थिक संसाधन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं, क्योंकि जब धन राशि होगी, तभी तो रहने, खाने-पीने, गोला-बारूद, हथियार खरीदने का इंतजाम संभव हो पाएगा। अतः वामपंथी उग्रवादियों की financial choking इस लड़ाई का सबसे आधारभूत मंत्र है।
- मैं यह याद दिलाना चाहूँगा कि 9/11 की घटना को अमेरिका ने किस तरह से चुनौती के रूप में लिया ताकि वहाँ वैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। इसके लिए जो 9/11 कमीशन बनाया गया था, उसकी रिपोर्ट में कहा गया कि 9/11 की घटना सिर्फ "Intelligence का failure नहीं बल्कि Imagination का failure था।"
- अतः मैंने आज जिस 'SAMADHAN' की चर्चा की है, उसमें imagination के समावेश की बहुत संभावनाएं हैं, हमें सम्पूर्ण परिस्थितियों पर विचार कर कल्पनाशीलता से काम लेना होगा ताकि हम वामपंथी उग्रवादियों को "Out Think" तथा "Out Manoeuvre" कर सकें।
- वामपंथी उग्रवाद को पूर्ण रूप से परास्त करने की दिशा में हम काफी आगे बढ़ चुके हैं। दुर्गम इलाकों में हमारे जवान, प्राणों की बाजी लगाकर, क्षेत्र के विकास और सुरक्षा के लिए निरन्तर कार्यरत हैं। देश की सुरक्षा के इस यज्ञ में कई जवानों ने अपनी शहादत दी है। मुझे पूरा भरोसा है कि इनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। वह दिन दूर नहीं जब यह mindless हिंसा पूर्णतः समाप्त होगी और पुनः शांति और सतत् विकास का वातावरण बनेगा तथा लोग तेजी से विकास की मुख्य धारा के साथ आगे बढ़ेंगे।
- अब मैं केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को दी जारी सुरक्षा संबंधी सहायताओं के विषय में भी बताना चाहूँगा। इसके तहत CAPFs की 118 Battalion राज्यों में deploy की गयी हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकारों के Security Apparatus को strengthen करने के लिए राज्यों को IR Battalions तथा SIRB की स्वीकृति भी दी गई है। इस प्रकार की समस्या से निपटने के लिए विशेष प्रकार की 10 CoBRA Battalions को

deploy किया गया है।

- विगत कुछ वर्षों में गृह मंत्रालय के द्वारा राज्यों को Capacity Building के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की गई है। SRE Scheme के अन्तर्गत राज्यों द्वारा सुरक्षा से संबंधित व्ययों, जैसे कि अनुग्रह राशि, परिवहन, प्रशिक्षण, SPO's के लिए मानदेय इत्यादि, की प्रतिपूर्ति केन्द्र सरकार के द्वारा की जाती है। यह योजना 10 राज्यों के 106 जिलों में लागू है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में गृह मंत्रालय ने रु0 210 करोड़ reimburse किये हैं।

- Special Infrastructure Scheme के तहत 6 राज्यों की Special Forces सुदृढ़ करने के लिए 122.13 करोड़ की राशि का भुगतान किया गया है। इसके अतिरिक्त 6 राज्यों में 16 CIAT School स्थापित करने के लिए 24 करोड़ की राशि का भुगतान किया गया। State Police Forces की Training के लिए Army और Greyhounds द्वारा हर वर्ष 4000 से भी ज्यादा पुलिस कर्मियों की Training कराई जा रही है।

- इसी प्रकार Fortified Police Station Scheme के अन्तर्गत केन्द्र सरकार ने 10 राज्यों में 400 Fortified Police Station के निर्माण के लिए 624 करोड़ रुपये राज्यों को उपलब्ध कराये हैं। अभी भी इसमें से 40 थानों का निर्माण नहीं हुआ है।

- LWE Affected States को 56 IRB तथा 10 SIRB sanction किए गए हैं। राज्यों को यह बटालियन उनके संसाधन बढ़ाने के लिए sanction की गई हैं। SIRB तो विशेषकर सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों में राज्यों की Infrastructure create करने की क्षमता बढ़ाने की तरफ एक बड़ा कदम है। लेकिन अभी 20 IR Battalion और 05 SIRB को पूरी तरह से तथा 3 अन्य SIRB में Engineering component raise करना बाकी है।

गृह मंत्रालय ने इन राज्यों में सुरक्षा बलों को अन्य साधन जैसे कि Helicopter, UAV इत्यादि भी उपलब्ध कराए हैं। समय-समय पर राज्य सरकारों के संसाधनों की कमी को देखते हुए मूलभूत सुविधाओं हेतु CAPF को आवश्यक राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

- हम राज्यों को यह आश्वासन देते हैं कि राज्यों की capacity building तथा Training आवश्यकताओं में पूर्ण सहयोग देते रहेंगे। Intelligence sharing तथा आवश्यकतानुसार केन्द्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती जारी रहेगी। लेकिन साथ ही राज्यों को Operations तथा Resources के समुचित उपयोग करने के लिए पहल करनी होगी।

- मुझे पूरा विश्वास है कि आज के deliberations fruitful होंगे और हम एक वामपंथी उग्रवाद मुक्त नव भारत के निर्माण की माननीय प्रधानमंत्रीजी की परिकल्पना को साकार कर पायेंगे।

जय हिन्द !

वीके/आईपीएस/एसके-1293

(Release ID: 1489419) Visitor Counter : 5

